



CB
६/४/८५

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20] मई दिवसी, शनिवार, मई 18, 1985 (वैशाख 28, 1907)
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 18, 1985 (VAISAKHA 28, 1907)

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विवरण सूची

	पृष्ठ	पृष्ठ	
भाग I—खण्ड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की ओरकर) द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिकारियों आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	417	भाग II—खण्ड 3—उर्द्ध-बोर्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (दिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ नामित लोगों के प्रशासनों की ओरकर) द्वारा जारी किए गए सामाजिक संबंधित नियमों और सामिक्षिक आदेशों (दिनमें सामाजिक स्वरूप की उपचित्रित भी शामिल है) के हिस्सी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को ओरकर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	418
भाग I—खण्ड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की ओरकर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों, प्रशासनियों, प्रोफेशनलों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	619	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सामिक्षिक नियम और आदेश	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकलनों और अधिकारियों आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	—	भाग III—खण्ड 1—उच्चतम व्यावालय, मंत्रालय व राज्यपाल, संघ सोसाइटी व्यावायिक, रेलवे प्रशासनों, उच्च व्यावालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	16899
भाग II—खण्ड 1—अधिकारियों, व्यावायिक और विनियम	663	भाग III—खण्ड 2—प्रैदूष कार्यालय, कननता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	429
भाग II—खण्ड 1—अधिकारियों, व्यावायिक और विनियम	*	भाग III—खण्ड 3—मुख्य अधिकारियों के प्राधिकार के अधीन व्यवायिक द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खण्ड 2—विवेक तथा विवेकों पर प्रबन्ध समितियों के विवर तथा रिपोर्ट	*	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं विवेकों कार्यालयों विवेक और नोटिस शामिल हैं	1181
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की ओरकर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ नामित लोगों के प्रशासनों की ओरकर) द्वारा जारी किए गए सामाजिक संबंधित नियम (दिनमें सामाजिक स्वरूप के आदेश और उपलब्धियों आदि भी शामिल हैं)	*	भाग IV—प्रैर-सरकारी व्यक्ति और सैर-सरकारी निकायों द्वारा विवाहन और सोसाइटी	87
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय की ओरकर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ नामित लोगों के प्रशासनों की ओरकर) द्वारा जारी किए गए सामिक्षिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	भाग V—विवेकी और हिस्ट्री लोगों में जन्म और मृत्यु के आकड़े विवेकी वाला वन्यप्रकृति	*

पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं है।

CONTENTS

PAGE	PAGE	
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	417	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	619	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	663	16899
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	429
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners
PART II—SECTION 3—Sub-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	—
PART II—SECTION 3—Sub-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies
		1181
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies
		87
		PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..

*Folio Nos. not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई विनियम, दिनांक 8 मई 1985

सं० 50-प्रेज-85—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहृदय प्रदान करते हैं:—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री सुखपाल सिंह,
पुलिस उप-नियोक्ता,
जिला बदायूँ।
श्री दिग्मन्नर सिंह,
कास्टेबल सं० 632,
सिविल पुलिस,
जिला बदायूँ।
श्री राजपाल सिंह,
कास्टेबल सं० 44,
सिविल पुलिस,
जिला बदायूँ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

18 नवम्बर, 1981, को उप-महानियोक्ता (पुलिस), बरेली रेंज बदायूँ, शाहजहांपुर, फतेहगढ़ और एटा जिलों के सीमान्त क्षेत्रों में सीमान्तार कार्यालयी का प्रायोजन कर रहे थे। उन्हें गांव ककराला पी० सी० पटियाली के पास एक बाग में डाकू पीछी गिरोह की उपस्थिति के बारे में सूचना मिली। डाकू एस० एल० प्रार० और राइफलों से लैस थे। उन्होंने इन खुंखार अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए श्री सुखपाल सिंह, उप-नियोक्ता, के नेतृत्व में एक कुशलक दल नियुक्त किया। श्री सुखपाल सिंह ने दल को दो टुकड़ियों में विभाजित किया। पहली टुकड़ी का उन्होंने स्वयं नेतृत्व सम्माला और दूसरी टुकड़ी की कमान एक अन्य उप-नियोक्ता को सौंपी। श्री दिग्मन्नर सिंह, कास्टेबल, और श्री राजपाल सिंह, कास्टेबल, पहली टुकड़ी में थे। उन्होंने बाग को दक्षिण की ओर से घेर लिया और दूसरी टुकड़ी ने उत्तर-पूर्वी दिशा से घेरा डाला। पुलिस की उपस्थिति का आधास होने के कारण डाकूओं ने उन पर भारी गोलीबारी की। पुलिस दल ने भी आरम्भ-रक्षा में गोलियाँ चलायी। गिरोह भारी गोलीबारी की आड़ में पीछे हटने लगा। श्री सुखपाल सिंह, उप-नियोक्ता, श्री दिग्मन्नर सिंह, और श्री राजपाल सिंह, कास्टेबलों, के साथ लगभग 7 किलोमीटर तक गिरोह का पीछा करते रहे जब तक वे गांव तंगला मोहन के पास नहीं पहुंच गए। श्री सुखपाल सिंह ने दक्षिण विश्वा से भागते हुए डाकूओं को घेरने का प्रयास किया, परन्तु असफल रहे। श्री सुखपाल सिंह, श्री दिग्मन्नर सिंह, और श्री राजपाल सिंह बाल-बाल बचे। डाकूओं की मारी गोलीबारी से घबराये गये तक रेंगते रहे जब तक डाकू से दिखायी दिए। पुलिस दल और डाकूओं के बीच गोलीबारी के दौरान दो डाकू मारे गए और जो पड़ा बचकर भाग गए। बाद में पहुंचान करने पर मालूम हुआ कि वे रक्षकीय निहाय और जयबीर सिंह थे। मैगजीनों के साथ एक एस० एल० प्रार०, 27 राउण्डों के साथ एक 303 राइफल और एम० एल० प्रार० की चार मैगजीनें बरामद हुईं।

श्री सुखपाल सिंह, उप-नियोक्ता, श्री दिग्मन्नर सिंह, कास्टेबल और श्री राजपाल सिंह, कास्टेबल, ने उक्षट वीरता और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विषेष स्वीकृत सत्ता भी विनांक 18 नवम्बर, 1981 से दिया जाएगा।

सं० 51-प्रेज-85—राष्ट्रपति द्वारा पुलिस पदक सहृदय प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री एन० रामचन्द्रन,
पुलिस अधीक्षक,
गौहाटी सिटी।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

2 फरवरी, 1983, को श्री एम० रामचन्द्रन, पुलिस अधीक्षक, एस० डी० एल० (सिविल) तथा सीमा सुरक्षा बल की एक प्लाटून, 8वीं बटालियन के अधीक्षीय रिंजर्स पुलिस बल और सीमा सुरक्षा बल की 43वीं बटालियन के सहायक कमांडेंटों के साथ पश्चिम सूबा पार कर रहे थे। उन्होंने एक मोटर साइकिल सवार को इंश्टहार बांटटों देखा जिसके बारे में और बच्चों की भीड़ थी। जब पुलिस अधीक्षक से बच्चों की रोका तो वे पिछ़ा-मिज्ज दिशाओं में भागे और सीमा सुरक्षा बल की प्लाटून ने उनका पीछा किया। दोस पीटने और धोखा बजाने की आवाज सुनकर तीर, कमानों तथा भालों ग्राविंसे से लैस सूखे तुरन्त इकट्ठे होने लगे। पुलिस अधीक्षक ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों को बापस बुला लिया, परन्तु 43वीं सीमा सुरक्षा बल का सहायक कमांडेंट श्री रमेश गुग्या। पुलिस अधीक्षक और अन्य एक स्टेनगन लेकर तुरन्त श्री रमेश को बूझने के लिए गए और उसे सीमा सुरक्षा बल के दो कास्टेबलों के साथ सशस्त्र भीड़ द्वारा बिरा हुआ पाया गया। पुलिस अधीक्षक भीड़ में घुस गए और सहायक कमांडेंट को बचा लिया। भीड़ लगातार बढ़ती रही। पुलिस अधीक्षक ने जारों और सीमा सुरक्षा बल की प्लाटून दौनाह कर रखी थी और वे भीड़ का पीछा कर रहे थे। परन्तु भीड़ तिसरवितर नहीं हड्डी। पुलिस अधीक्षक ने सीमा सुरक्षा बल को एक राउण्ड गोली चलाने का निवेदण किया जो दो बच्चों के पैरों में लगी थी और वे तिसर बितर हो गए। आयल बच्चों में से एक को मंगलवर गुड़ी में लीन बसों को आग लगा दी थी और सड़क रोक दी थी। पुलिस अधीक्षक ने सीमा सुरक्षा बल के दल को सिपाहार में रहने का निवेदण किया। वे एस० डी० एल० (सिविल) के साथ बारेवल गुड़ी गए, जहां उन्हें सूचना मिली कि "सक्सीला" पुल को आग लगा दी थी। वे परन्तु पुल की ओर गए और वेद्धा कि भीड़ पुल के चारों ओर जमा थी। पुलिस अधीक्षक और उसके दल ने आग बुझाई और पुल के नीचे रखे मिट्टी के तेल के छमों को लुढ़काने की कोशिश की। इस समय भीड़ उनकी तरफ दौड़ी और एस० डी० एल० (सिविल) ने कास्टेबल को आस्थरक्षा में गोली चलाने का आदेश दिया। कास्टेबल घबरा गया और बह गोली नहीं चला सका। इसी भीड़ घटनास्थल पर पहुंच गयी थी। एस० डी० एल० और दो और दो कास्टेबलों

के जीवन के स्वतंत्र को देखकर पुलिस अधीक्षक अपने जीवन की परिवाह न करते हुए तुरन्त घटनास्थल पर पहुँचे और राहकल छीन ली। उन्होंने तुरन्त दा राउण्ड गोलियां चलायीं और भीड़ निटर-बिटर ही गयीं।

श्री एन० गमचन्द्रन पुलिस अधीक्षक, ने शाहम और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत भीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी दिनांक 2 फरवरी 1983 से दिया जाएगा।

मं० ५२-प्र०/४५—गण्डपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उम्मीद भीरता के लिए गण्डपति का पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रंगनाथ शुक्ल,
पुलिस उप-निरीक्षक,
जिला—कानपुर।

गवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

६ फरवरी 1983, को जब श्री रंगनाथ शुक्ल, उप-निरीक्षक, गांव मुबरामऊ में जा रहे थे तो उनको सूचना मिली कि ७-८ संश्वत डाकुओं का गिरोह गश्योरी श्री एक बाग में विद्याम कर रहा है। श्री शुक्ल उपर्युक्त ५ कांस्टेबलों के साथ बाग में पहुँचे और इन को दो भागों में विभाजित कर दिया। तीन कांस्टेबलों को बाग के पश्चिम में तीनांक किया गया और वे स्थाय पूर्व में रहे। पुलिस दल के पहुँचने वा आभास होने पर गिरोह ने गोपकी से बाहर निकलकर दमुना की घाटी की ओर भागना शुरू कर दिया। बचकर भागते हुए उन्होंने पुलिस दल पर गोली चलाई पुलिस दल ने भी जवाब में गोली चलाई और डाकुओं ने गिरोह का पीछा किया। तुरन्त वे डाकुओं को रोकने में सफल हो गए। श्री शुक्ल ने कांस्टेबलों को एक स्थान पर छोड़ दिया और उसको बहा में गोली घालते रहे था आशेष दिया। उनके पास ३०३ की राहकल भी और वे गिरोह को उस विशेष में घेरेला जाएं थे जहाँ हैं उनके और परिषमीय साग पर तीनांक ३ कांस्टेबलों ने बीच लाकर गामा जा सके। जैसे ही वे "ग्रहर" के खंड में पहुँचे, दो डाकुओं द्वारा गोली चलाने से वे जल्दी ही गए। यद्यपि वे जीमान पर गिरे फिर भी उन्होंने जवाबी गोली चलायी जिससे एक डाकु मत्काली साग गया। थांवों के बावजूद श्री शुक्ल ने रेस्टर दूसरे डाकु का पीछा किया और उसको गोली मारने में सफल हो गए। इन डाकुओं को डाकुदं पर पहुँचने पर मालूम हुआ कि वे पहलशहर तथा मुकानान यादव गिरोह के देवनाशय तथा गंगा निष्ठा यादव थे।

श्री प्रकार श्री रंगनाथ शुक्ल, उप-निरीक्षक, ने उच्चांक भीरता, शाहम और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक गण्डपति का पुनिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत भीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी दिनांक 6 फरवरी, 1983, से दिया जाएगा।

सं० ५३-प्र०/४५—गण्डपति राजस्थान पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उम्मीद भीरता के लिए पुलिस पदक महर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री शृंग मोहन,
कांस्टेबल ड्राइवर मं० ३६३,
राज्य विशेष शाहम,
गयपुर।

गवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

३० जनवरी, 1984, को चार संश्वत डाकु मिर्जा हमाराई गोड़, जयपुर, पर स्थित ज्वेल इम्पोरियम में दाखिल हुए और दुकान के स्नायर गोली चलाकर शातक गोली किया और २५,००० रुपये के मूल्यवाला आपत्ति और लैन्डहरान लट्ट लिया। दुकानदार ने लड़के और दुकान में काम करने वाले व्यक्तियों ने उनका पीछा किया। उन्होंने उनमें से एक डाकु का पकड़ लिया। इसके बाद ने दुकानदार के लड़के पर गोली चलायी जिसमें बैद्ध जल्दी ही गया। डाकु भी उन्हें

में मकान हो गए। श्री शृंग मोहन, कांस्टेबल, जो अपनी बमुटी समाप्त करके उम रासी से गुजर रहे थे, ने डाकुओं को भागते हुए देखा। उन्होंने सुरक्षा डाकुओं का फैला किया और एक डाकु के साथ हाथापाई की। दूसरे डाकु ने कांस्टेबल पर योहनी चलायी। लेकिन सोबायबल वे बच गए। शाहम खोए बिना श्री शृंग मोहन ने डाकु हमारिम बाल उक जाकेव को पकड़ लिया जिसमें १६ मरिय दाकुओं के साथ ४५५ की एक भरी हुई बन्दूक और ३०,००० रुपये मूल्य की लृटी गयी भूमिका बरामद की गयी।

श्री बुज मोहन, कांस्टेबल, ने अनुकरणीय साहम, भीरता और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत भीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भूता भी दिनांक 30 जनवरी 1984 से दिया जाएगा।

गु० नीलकण्ठ गण्डपति का उप सचिव

विधि और न्याय मंत्रालय

विधि कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक ८ अप्रैल १९८५

संशोधन

सं० एक ६(१२)/४४-आई०सी०—भारत सरकार, भारत के राजपत्र, भाग १, खण्ड १, तारीख १ अगस्त, 1981 में प्रकाशित, भारत सरकार के संकल्प सं० एक० ६(३४)/४१-आई०सी०, तारीख ९ जुलाई, 1981 में निम्नसिद्धित संशोधन करती है, प्रथातः:—

उक्त संकल्प के खण्ड २ के उप-खण्ड (३) के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, प्रथातः:—

"(३) उच्चसम न्यायालय विधिज संगम के तीन प्रतिनिधि जो उच्चतम न्यायालय विधिक सहायता समिति के प्रध्यक्ष हुआ नामिनदेशित किए जाएंगे, जिनमें से एक अभिलेख अधिवेक्ता होगा"।

आदेश

आदेश किया जाता है कि संकल्प के इस संशोधन की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों, न्याय सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, आदि को संसूचित की जाए।

यह आदेश भी दिया जाता है कि संकल्प का यह संशोधन संवेदाशारण की जानकारी के लिए, भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

बी०एस० शेखों, सचिव

विन मंत्रालय

राज्यव विभाग

नई दिल्ली, दिनांक १० मई १९८५

संकल्प

फा० सं० ४४३/२/८५-श० ४—विन मंत्रालय (राजस्व विभाग) के संकल्प सं० फा० सं० ४४३/५/८२-श० ४, तारीख २३ जुलाई १९८४ का निम्नानुमार शंसोधन किया जाए। है:—

विद्यमान प्रविधि (ii) (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा (ii) (क) श्री एस० बी० मिडनर—लोक वभा

प्रदेश

प्रदेश किया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति राज्यपत्र के सचिवालय, प्रधान मंत्री के कार्यालय, नियमांडिल मंत्रिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक वभा गविनालय, न्याय वभा मंत्रिवालय, योजना आयोग, भारत के नियमवकाल-महानियां परीक्षक, महानेतावालय, लेखा महानियांक, भारत वर्गार के भभों मंत्रालयों और भभी विभागों, प्रेष मूलनार्थर्ग, मुख्या

नेत्रा नियन्त्रक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क के सभी समाहरणों तथा सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दसाहारा परियोग के सभी भावस्थानों को भेंज दी जाए।

यह भी भारदेश दिया जाता है कि इन संकलनों को सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

भारत भ० जलका अपर गतिव,

कार्यिक भौतिक प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार तथा
नोक शिक्षायम् मथा पेणम् मंत्राय
(कार्यिक भौतिक प्रशिक्षण विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 18 मई 1985

म. ०-४/२८/८४-सी०एस० (१) - निम्नलिखित सेवाओं के यंड-१ की सम्पन्न सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संष लोक सेवा आयोग द्वारा १९८५ में सी जाने वाली अनुसूचित जाति/अनुसूचित अन जाति के उम्मीदवारों के लिए सम्मिलित यंड-१ (धरवर सचिव) सीमित विधायी परीक्षा के नियम संबंधित गंतव्यपायों की गत्रभति से सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं : -

યગં - I

केन्द्रीय मणिवालय सेवा का ग्रेह-1

वर्ण-लि

भारतीय विदेश सेवा, शास्त्रा “ग्रु” के समान्य संबंध का ग्रेह-1

ધર्म-III

रेल बोर्ड सचिवालय का ग्रेड-1

1. प्रत्येक प्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए, चयन किया जाने वाले व्यक्तियों की मंदिरा आयोग प्रांत आगे किये गये नोटिस में निर्दिष्ट बीं जारीरहे ।

2. संघ लोक मेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा परिणाम में निर्धारित नियमों के अनुसार ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आधीरग द्वारा निश्चित किये जाएंगे।

3. (क) स्पायी अधिकारी या अन्य ऐसे अधिकारी जिसका नाम नीते कालम-1 में उल्लिखित थे वे अर्थात् सेवाओं की चयन सूची में सम्मिलित कर दिया गया है, जो अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जन जाति का है, तथा जिसने 31 दिसम्बर, 1984 को कालम 2 में उल्लिखित सेवा ये सम्बन्धित शर्तें पूरी कर ली हैं, कालम 3 में उल्लिखित सेवा के वर्ग हेतु परीक्षा में बैठने का पाद होगा:—

कालम 1	कालम 2	कालम 3
<p>केन्द्रीय सचिवालय मेंवा का अनुभाग अधिकारी मेंड और/या केन्द्रीय सचिवालय आमुनिविक मेंवा का मेंड “क”</p>	<p>केन्द्रीय सचिवालय मेंवा के वर्ग-1 अनुभाग अधिकारी मेंड में अधिवा केन्द्रीय सचिवालय आमुनिविक मेंवा के मेंड ‘क’ में प्रथम दोनों ‘म’, जैसो भी श्रिति हो, अनु- भांदित वया नगानार मेंवा ए वर्ष में कम न हो</p>	

कालिम १	कालिम २	कालिम ३
मामान्य संवर्ग का ममेकित ग्रेड II और III ओर/या भारतीय विदेश सेवा "ख" के आशुलिपिक संवर्ग का चयन ग्रेड ।	मामान्य संवर्ग के ममेकित ग्रंथ-II ग्रेड-II और III या भारतीय विदेश सेवा "ख" के आशुलिपिक संवर्ग के चयन ग्रेड अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, अनुमोदित तथा लगातार सेवा 4 वर्ष से कम न हो ।	ग्रंथ-II
रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड और/या रेल बोर्ड आशुलिपिक सेवा का ग्रेड "क"	रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के अनुभाग प्रधिकारी ग्रेड में अथवा रेल बोर्ड आशुलिपिक सेवा के ग्रेड "क" अथवा दोनों में, जैसी भी स्थिति हो, अनुमोदित तथा लगातार सेवा 4 वर्ष से कम न हो ।	ग्रंथ-III

(1) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/रेलवेर्ह सचिवालय आशुलिपिक सेवा के प्रेड "क" तथा भारतीय विदेश सेवा, शास्त्रा (ख) के आशुलिपिक संबंध के चयन प्रेड के अधिकारियों के मामले में अनुमोदित सेवा में, उक्त सेवा के प्रेड "ख"प्रेड-1 में की गयी अनुमोदित सेवा में, उक्त सेवा के प्रेड "ख"प्रेड-1 में की गयी अनुमोदित सेवा की आधी अधिकारियों का मिल होगी ।

(2) सीनिक हूयटी में रहने पर अनुपस्थिति की किसी भी अवधि को उपर्युक्त पदों में से किसी भी पद के लिए निर्धारित सेवा काल में गिनने की अनुमति दी जाएगी ।

(3) (i) केन्द्रीय सचिवालय सेवा/रेलवेर्ह सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी तथा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा/रेल वार्ड सचिवालय सेवा के प्रेड "क" तथा ।

(ii) सामान्य संबंध के समेकित प्रेड-II और III तथा भारतीय विदेश सेवा शास्त्रा (ख) के आशुलिपिक संबंध के चयन प्रेड के अधिकारियों को, जो सभस प्राधिकारी की अनुमति से संबंध बाहु पर पर है, यदि अन्यथा पाल दो, तो परीक्षा में प्रवेश की अनुमति होगी ।

फिन्यु वह किसी ऐसे अधिकारी पर लागू नहीं होगा जो किसी संबंध वाले पर पर नियुक्त हुआ हो अथवा स्थानांतरण पर किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया हो और जिसका (i) और (ii) में उल्लिखित अपने-अपने प्रेड में पुनर्व्यवस्थाधिकार न हो ।

(4) परीक्षा में प्रवेश के लिए अथवा अन्यथा किसी बाह के लिए उम्मीदवार की पाक्षता के बारे में आयोग का निर्णय अस्तित्व होगा ।

(5) किसी भी उम्मीदवार को सब तक परीक्षा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि उसके पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो ।

(6) आयोग द्वारा निम्नलिखित कारणों से शोधित, आधी उम्मीदवार की जिम्मेदारी :-

- (1) किसी भी तरीके में अपनी अन्योधता के लिए भगवंत प्राप्त करने, अथवा
- (2) प्रतिरूपण करने, अथवा
- (3) किसी अधिकारियों को प्रतिरूपण करवाने, अथवा
- (4) जारी अथवा ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत करना जिनमें दो-फेर, किया हो, अथवा

(5) गलत भविता असत्य विवरण देने भविता तथ्य को लिपाने भविता,

(6) परीक्षा के लिए अपनी अस्थिरिता के सम्बन्ध में किसी अस्त्र अनियमित भविता अनुपयुक्त तरीकों से काम लेने, भविता

(7) परीक्षा के द्वारा अनुचित तरीके अपनाने, भविता

(8) उत्तर (पुस्तिकार्यों) में भविता असामिक विषय लिखने, जिसमें अस्तीत भाषा भविता अस्तीत सामग्री शामिल है भविता

(9) परीक्षा भवन में किसी प्रकार का दुर्घटनाकरण, भविता

(10) परीक्षार्थों को आयोजित करने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करने भविता उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने, भविता

(11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो, या

(12) पूर्वोक्त छहों में बताया गया कोई काम करने का प्रयत्न ग्राह कोई करता हो या इन कामों को करने के लिए किसी को उकसाता हो तो उसके विलापक प्राप्तिक अभियोग तो बताया ही जा सकता है, इसके अनियमित उसे आयोग द्वारा उस परीक्षा

(क) के लिए अप्रैय ठहराया जा सकता है जिसके लिए वह उम्मीदवार है, भविता

(ब) (i) आयोग द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा भविता भवन से,

(ii) केंद्र सरकार द्वारा भवने भवीन किसी भी नियोजन से, स्थायी रूप से भविता किसी विनियिष्ट अवधि के लिए विजित किया जा सकता है, भीर

(ग) समियत नियमों के अन्तर्गत अनुशासनिक कार्य-बाहू को जा सकती है। किन्तु ग्रात्रे यह है कि इस नियम के भवीन कोई शास्ति तक तक नहीं दी जाएगी जब तक

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अस्त्रवेदन, जो वह बेना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, भीर

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुभत तमय में प्रस्तुत अस्त्रवेदन पर, यदि कोई हो, विकार न लिया गया हो।

(7) आयोग जिन उम्मीदवारों को परीक्षा I के परिणाम के आधार पर चयन के लिए अनुपयुक्त समझेगा उनके नामों की, जिसमें दोनों अनुसुचित जाति भीर अनुसुचित जनजाति के उम्मीदवार सम्मिलित होंगे, योग्यता क्रम में एक ही सूची बनाएगा। भीर इस क्रम से जितने भी उम्मीदवार आयोग द्वारा योग्य पाए जाएंगे उनकी चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए अपेक्षित संख्या तक अनुशंसा की जाएगी।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अर्हक परीक्षा। परीक्षा के परिणाम के आधार पर प्रत्येक चयन सूची में शामिल किये जाने वाले अविकारों को संख्या नियन करने के लिए सरकार पूरी तरह में सक्षम है। कोई भी उम्मीदवार इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर चयन सूची में शामिल निए जाने के लिए अविकार के रूप में दाया नहीं कर सकेगा।

(8) प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा फल की सूचना किस रूप में भीर किस प्रकार दी जाए, हस्ताना निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार में पक्षावार नहीं करेगा।

(9) परीक्षा में सफल हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सेवा में कार्य संचालन की दृष्टि से जयन के लिए हर प्रकार से योग्य है।

परन्तु आयोग द्वारा चयन के लिए अनुशासित किए गए किसी उम्मीदवार को चयन के लिए अपाल मानने के बारे में निर्णय आयोग के साथ परामर्श करके किया जाएगा।

(10) यदि कोई उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने के बाद भविता परीक्षा में शैठने के बाद भवीनी नियुक्ति से त्यागपत्र दे देता है भविता भीर किसी कारणवश सेवा छोड़, देता है भविता उससे सम्बन्धित विलेव कर लेता है भविता उसको सेवा उसके विभाग द्वारा समाप्त कर दी जाती है भविता उसे किसी संवर्ग बाहू पद पर भविता भव्य सेवा में स्थानान्तरण पद नियुक्त कर दिया जाता है भीर उसका अनुपयुक्त नियम 3(क) के कालम 1 में उल्लिखित येहाँ भीर सेवार्थों में भवना पुत्रप्रदेशावधिकार नहीं है तो वह इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यह बात उस अवित के मामले में लागू नहीं होती जो सक्षम प्राप्तिकारी के अनुमोदन से संवर्ग बाहू पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त हो।

वी० श० चमू, भवर सचिव,

परिशिष्ट

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी।

भाग—I निम्नलिखित विषयों पर दो प्रश्न-पत्रों की विजित परीक्षा होगी। जिनमें से हर एक के 200 अंक रखे गए हैं।

प्रश्न पत्र—I(i) भारत सरकार संचिकालय और संलग्न कार्यालयों की प्रक्रिया भीर पद्धति

(वर्ग I और II के लिए)

(II) कार्यालय प्रक्रिया भीर पद्धति

(वर्ग II के लिए)

प्रश्न-पत्र II भारतीय संविधान तथा शासन तंत्र का सामान्यज्ञान संसदीय पद्धति भीर प्रक्रिया।

प्रत्येक प्रश्न-पत्र 2 1/2 अंके का होगा।

भाग—II आयोग की विकास पर ऐसे उम्मीदवारों के गोपनीय अभिलेखों को मूल्यांकन तथा साक्षात्कार—200 अंक

2. परीक्षा की पाठ्यक्रम अनुसूची के अनुसार होगी।

3. उम्मीदवारों को प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी तथा हिन्दी (वेवनगारी) में देने का विकल्प होगा। प्रश्न-पत्र अंग्रेजी भीर हिन्दी में तैयार किए जाएंगे।

टिप्पणी I—सर्वी प्रश्नों के लिए एक-सा विकल्प होगा तथा उसी प्रश्न-पत्र में विभिन्न प्रश्नों के लिए अलग-अलग विकल्प नहीं होगा।

टिप्पणी II—उत्तर प्रश्न-पत्रों का उत्तर हिन्दी (वेवनगारी) में देने का विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को अपने 'इस दरावे का उल्लेख आवेदन पत्र के सम्बद्ध कालम में स्पष्ट रूप से करना चाहिए, नहीं तो यह समझा जाएगा कि वे सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही देंगे। एक धारा दिया गया विकल्प अनियम मान लिया जाएगा तथा उक्त कालम में परिवर्तन करने का कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी III—प्रश्न पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने वाले उम्मीदवार, यदि वे चाहे तो, हिन्दी की पारिवारिक शब्दावली, यदि कोई हो, के साथ अंग्रेजी पर्याय भी कोडल में दे सकते हैं।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर स्वयं ही लिखने होंगे। किसी भी परिस्थिति में उत्तर लिखने के लिए उन्हें किसी अन्य अधिकत की सहायता लेने की अनुमति नहीं होगी।

5. आयोग आपनी विकास पर परीक्षा के किसी एक या सभी भागों के अर्थक अंक निर्णयित करेगा। केवल उम्मीदवारों के गोपनीय रिपोर्टों के मूल्यांकन तथा साकारात्मकार के लिए बुलाए जाने पर विकार किया जाएगा जो लिखित परीक्षा में आयोग की विवेकानुसार नियत किए गए अनुक्रम अर्थक प्राप्त कर सके।

6. मात्र सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिये जाएंगे।

7. लिखित विषयों में प्रस्तुष लिखाई के लिए अधिकतम अंकों के 5 प्रतिशत अंक तक काट लिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात को ब्येय दिया जाएगा कि अधिकतम कम से कम शब्दों में कमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण हंग से और ठीक-ठीक की गयी हो।

9. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर मिलते समय भारतीय अंकों के अन्तरराष्ट्रीय रूप (अन्यत्र) 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि का ही प्रयोग करता चाहिए।

प्रश्नसूची

परीक्षा की पाठ्यनर्या

जहां नियमों, आदेशों, प्रनुयों आदि का ज्ञान अपेक्षित है, उम्मीदवारों से यह ज्ञान की जाएगी कि वे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक जारी किए गए संशोधनों की जानकारी रखें।

भारत सरकार के सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों की प्रक्रिया और पद्धति (वर्ग—I तथा II के लिए)।

इसका उद्देश्य भारत सरकार के सचिवालय तथा सम्बद्ध कार्यालयों की प्रक्रिया और पद्धति में गहन तथा विस्तृत परीक्षा है। इस विषय पर कुछ मार्ग-दर्शन निम्नलिखित पुस्तकों से प्राप्त किया जा सकता है।

- इस अधिसूचना के समय प्रबलित कार्यालय प्रक्रिया पुस्तिका
- कार्यालय प्रक्रिया पर सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा जारी की गयी टिप्पणियाँ।
- संघ के सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग से संबंधित गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गयी आदेशों की पुस्तिका।

कार्यालय प्रक्रिया और पद्धति (वर्ग III के लिए)

इसका उद्देश्य रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) तथा सम्बद्ध कार्यालयों में कार्यविधि तथा कार्य प्रणाली में गहन तथा विस्तृत परीक्षा है, इस विषय पर कुछ मार्गदर्शन निम्नलिखित पुस्तकों से प्राप्त किया जा सकता है।

- इस अधिसूचना के समय (रेल मंत्रालय रेल बोर्ड) द्वारा जारी की गयी प्रबलित कार्यालय प्रक्रिया पुस्तिका।
- गृह मंत्रालय द्वारा जारी की गयी “संघ के सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग में सम्बन्धित आदेशों की पुस्तिका”।

भारत के संविधान और शासन तंत्र, संसद प्रक्रिया और पद्धति का सामान्य ज्ञान

टिप्पणी:—निम्नलिखित विषयों के ज्ञान की अपेक्षा की जाती है।

- भारत के संविधान के भूत्य सिद्धांत
- लोकसभा तथा राज्य सभा की प्रक्रिया तथा कार्यसंचालन सम्बन्धी नियमावली।

(3) भारत सरकार के शासन तंत्र का संगठन मंत्रालयों, विभागों तथा संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों के पदनाम तथा उनमें विषयों का व्यांक्ट और उनके परस्पर सम्बन्ध।

(प्रौद्योगिक विकास विभाग)

तकनीकी विकास महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० एसी/पैनल /84/बांड-III—दिनांक 17 सितम्बर, 1983 के संकल्प सं० एसी/पैनल/83/647 के त्र८ में, श्री एम०एल० डबराल, सदस्य सचिव के देवानिवाल हो जाने के फलस्वरूप, भारत सरकार ने एसबेस्टोस उत्पादन उद्योग को विकास नामिका का निम्न प्रकार से गठन करने का निर्णय किया है:—

क्र० सं० 17	—श्री एम० एल० डबराल, भूतपूर्व विकास अधिकारी तकनीकी विकास महानिवेशालय, डी-८७९, लक्ष्मीदास नगर, नई दिल्ली।	सदस्य
क्र० सं० 18	—श्री पी०क० जैन, विकास अधिकारी, तकनीकी विकास महानिवेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली।	सदस्य-सचिव

दिनांक 17-9-83 के संकल्प में क्र०सं० 1 से 16 तक की संरक्षन में छोड़ परिवर्तन नहीं किया गया है।

प्रावेश

प्रावेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी सदस्यों को भेजी जाए। यह भी प्रावेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भास्म सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

क्र०सी० गंजधाल, निवेशक (प्रशासन)

द्विवि और प्रामीण विकास मंत्रालय

(हृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० 48-3/85-भेड़—भारत सरकार ने केन्द्रीय भेड़ प्रज्ञान फार्म, हिंसार के लिए एक प्रबन्ध समिति गठित करने का निर्णय किया है। प्रबन्ध समिति का गठन निम्न प्रकार होगा:—

- प्रपर सचिव,
हृषि और सहकारिता विभाग
- प्रग्नालेन आयुक्त,
- संयुक्त सचिव तथा वित्तीय सलाहकार,
- निवेशक,
- संयुक्त आयुक्त, (भेड़ प्रज्ञान फार्म हिंसार)

प्रबन्धका

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य-सचिव

3. प्रबन्ध समिति नीचे लिये गये कामों तथा अधिकारों का उपयोग करेगी :—

- (क) नीति सम्बन्धी सभी मामलों पर विचार करना तथा ध्वीकरण करना। योजना का प्रावधानकारी की दृष्टि के लिये प्रावधान संगठितों का निवारण करना।
- (ख) कामे के कार्यों के नियमन की प्रतिलिपि की समीक्षा करना।
- (ग) पुनर्संयोजन की शक्तियों से संबंधित प्रतिवर्षीयों के घनुसार स्वीकृत कार्यक्रम के संकेत में निविधियों के पर्याप्त पुनः प्रावेदन वाले वाचिक कार्यक्रम के परिवर्तन पर विचार करना तथा उन्हें स्वीकृत करना।
- (घ) कामिक प्रबन्ध से संबंधित सभी मामलों पर विचार करना तथा नीतियों की सिफारिश करना।

3. प्रबन्ध समिति भारत सरकार द्वारा योजना से संबंधित किसी मामले के सबन्ध में समय-समय पर जारी किये जाने वाले निवेशों का प्रनुपासन करेगी।

4. प्रबन्ध समिति सेवीय शक्तियों का प्रत्यायोजन नियमावली 1958 के नियम 13(2) के तहत केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों की प्रत्यायोजित सभी शक्तियों का प्रयोग करेगी। प्रत्यायोजन शक्तियों में निम्न शक्तियां जारी नहीं होंगी :—

- (1) पदों का मूल्य
- (2) हालियों को बढ़ावा देना।
- (3) मूल बैंड प्रावधान के 10 प्रतिशत से अधिक निविधियों का पुनर्वियोजन करना।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 8th May 1985

No. 50-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officers

Shri Sukhpal Singh
Sub-Inspector of Police, Distt Badaun.

Shri Digambar Singh
Constable No. 632, Civil Police,
Distt. Badaun.

Shri Rajpal Singh,
Constable No. 44, Civil Police,
District Badaun.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 18th November, 1981, the Deputy Inspector-General (Police), Bareilly Range, was organising a trans-Border operation in the bordering areas of districts Badaun, Shahjahanpur, Fatehgarh and Etah. He received an information about the presence of dacoit pothi gang in a grove near village Kakrala, PC Patiali. The dacoits were armed with SLRs and Rifles. He deputed a task force of Badaun district under the leadership of Shri Sukhpal Singh, Sub-Inspector, for the arrest of these hardened criminals. Shri Sukhpal Singh divided the force into two parties. He himself led the first party and the command of the second party was entrusted to another Sub-Inspector, Shri Digambar Singh Constable, and Shri Rajpal Singh, Constable, were in the first party. They surrounded the grove from South and the second party threw a cordon from the North-Western side. On sensing the presence of the police, the dacoits opened heavy fire on them. The police party also opened fire in self defence. The gang started retreating under the cover of heavy fire. Shri Sukhpal Singh, Sub-Inspector, alongwith Shri Digambar Singh and Shri Rajpal Singh, Constables chased the gang for about 7 Kms. till they reached near village Nagla Mohan. Shri Sukhpal Singh tried to surround the fleeing dacoits from southern side but in vain. Shri Sukhpal Singh, Shri Digambar Singh and Shri Rajpal Singh narrowly escaped. Undeterred by the heavy firing from the dacoits, they continued crawling till the dacoits appeared. During the

प्रबन्ध समिति वर्षे में यो बैठकें और प्रावधानकार घनुसार अधिक बैठकें भी करेगी।

आदेश

प्रादेश दिया जाता है कि इस संकलन की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों/संघ राज्य संघों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, भवित्वात् सचिवालय, प्रधान मंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, योजना आयोग, भारत के नियंत्रक तथा घनुसार विवादों के विवादों के परिवर्तन पुनः प्रावेदन वाले वाचिक कार्यक्रम के परिवर्तन पर विचार करना तथा उन्हें स्वीकृत करना।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकलन को प्राप्त जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

श्री०एस० राज, अपर सचिव

सिला मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1985

स० फा० 10-3/85-विष्व-5—भारतीय सामाजिक विज्ञान घनुसंवान परिषद, नियमावली के नियम 3 और 6 के घनुसार यों के० पी० गीरुआह्मान, अपर सचिव, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (व्यवसाय) को श्रीमती गीरुआह्मान श्रीमती के स्थान पर शेष अवधि के लिये, घर्षात् 24 जुलाई, 1987 तक परिषद के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता है।

एस० के० देमुप्ता, अपर सचिव

exchange of fire between the police party and the dacoits, two dacoits were killed and the remaining managed to escape. Later they were identified as Raghbir Singh and Jairib Singh. One SLR with magazine, one .303 rifle with 27 rounds, one handgrenade and four magazines of SLR were recovered.

Shri Sukhpal Singh, Sub-Inspector, Shri Digambar Singh, Constable, and Shri Rajpal Singh, Constable, exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 18th November, 1981.

No. 51-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Assam Police :—

Name and rank of the officers

Shri N. Ramachandran,
Supdt. of Police,
Guwahati City.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 2nd February, 1983, Shri N. Ramachandran, Superintendent of Police, Darrang, alongwith the SDO (Civil) and a platoon of Border Security Force, with Asstt. Commandants from 8th Bn., Central Reserve Police Force and 43 Bn. Border Security Force were crossing Paschim Suba. They noticed a motocyclist distributing pamphlets and a crowd of boys around him. When the Superintendent of Police intercepted the boys, they ran in different directions and were chased by BSF platoon. On hearing the sound of drums beating and conch shell blowing, people armed with bows, arrows and spears etc. Immediately began to collect. The BSF personnel were called back by the Superintendent of Police, but Shri Tshering, Asstt. Commandant of 43 BSF was found missing. The Superintendent of Police and others with a sten gun immediately rushed to trace Shri Tshering and found him with two BSF constables surrounded by the armed mob. The Superintendent of Police charged into the crowd and rescued the Asstt. Commandant. The mob continued to increase. The Superintendent of Police had deployed BSF platoon around and was chasing the crowd. But the crowd did not disperse, the Superintendent of Police

directed the BSF to fire one around which hit two boys in their legs and the crowd dispersed. When the Superintendent of Police ran to pick up the injured boys, he was surrounded by the mob. The BSF Section fired two more rounds, which hit the people in their legs and they dispersed. One of the injured boys was sent to Mangaldoi. By the time, the jeep returned, the crowd had set three buses ablaze at Bordalguri and the road was blocked. The Superintendent of Police directed the BSF party to remain at Spiajhar. He alongwith SDO (Civil), went to Bordalguri where they got the information that the 'Sakola' bridge was set on fire. They immediately rushed towards the bridge and found the mob clustered around the bridge. The Supdt. of Police and his party extinguished the fire and tried to roll down the kerosene drums kept underneath the bridge. At this point, the crowd rushed towards them and the SDO (Civil) ordered the Constable to fire in self defence. The Constable became nervous and could not fire. In the meantime the crowd had already reached the spot. Sensing danger to the lives of SDO and two constables, the Superintendent of Police, without caring for his own life, dashed to the spot and snatched the rifle. He immediately opened two rounds of fire and dispersed the crowd.

Shri N. Ramachandran, Superintendent of Police, exhibited courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd February, 1983.

No. 52-Pres/85.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

Name and rank of the officers

Shri Rang Nath Shukla,
Sub-Inspector of Police,
Distt. Fatehpur (UP).

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 6th February, 1983, when Shri Rang Nath Shukla, Sub-Inspector of Police was passing through village Subramau, he received information that an armed dacoit gang consisting of 7-8 persons was resting in a near-by grove. Shri Shukla alongwith the available five Constables, approached the grove and divided the party into two. Three Constables were put on the Western side of the grove and he himself took the Eastern side. On sensing the approach of the police party the gang started rushing out of the hut towards the Yamuna ravines. While escaping they opened fire on the police party who also returned the fire and chased the dacoit gang. Soon they succeeded in stopping them. Shri Shukla dropped the Constable at one point and ordered him to continue the firing from that side. He was armed with .303 rifle and was trying to push the gang into the direction where it could be trapped in between him and the three Constables deployed on the western flank. As soon as he arrived at the "Arhai" field, he received bullet injuries on account of firing by two dacoits. Although he fell down on the ground, yet he fired back and shot one of the dacoits dead instantaneously. Despite the injuries Shri Shukla pursued the other dacoit by crawling and succeeded in shooting him down. These two dacoits were later identified as Dev Narain and Ganga Bishnu Yadav of Pehalwan and Sultan Yadav gang.

Shri Rang Nath Shukla, Sub-Inspector thus exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 6th February, 1983.

No. 53-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Rajasthan Police :—

Name and rank of the officer

Shri Brij Mohan,
Constable Driver No. 363,
State Special Branch, Jaipur.

2—61GI/85

Statement of services for which the decoration has been awarded

On the 30th January, 1984, four armed dacoits entered the Jewel Emporium at Mirza Ismail Road, Jaipur, and created panic by firing inside the shop and looted precious ornaments and jewellery worth about Rs. 75,000/- They were chased by the proprietor's son and the workers of the shop. They caught hold of one of the dacoits and the other fired on the proprietor's son inflicting bullet injuries. While the dacoits managed to run away, Shri Brij Mohan, Constable who was passing through that way after the completion of his duty witnessed them. He immediately chased the dacoits and grappled with one of the dacoits. Another dacoit fired upon the Constable, but he luckily escaped. Without losing courage, Shri Brij Mohan caught hold of dacoit Ibrahim Khan @ Javed from whom one loaded .455 revolver with 16 live cartridges and looted booty worth Rs. 30,000/- were recovered.

Shri Brij Mohan Constable, exhibited exemplary courage, bravery and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 30th January, 1984.

S. NILAKANTAN
Dy. Secy. to the President

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

DEPARTMENT OF LEGAL AFFAIRS

New Delhi, the 6th April 1985

AMENDMENT

No. F. 6(12)/84-IC.—The Government of India hereby makes the following amendment to Resolution No. F. 6(34) 81-IC dated 9th July, 1981 of the Government of India published in Part-I, Section I of the Gazette of India dated 8th August, 1981, namely—

In the said Resolution sub-clause (3) of Clause 2 shall be substituted as under :—

"(3) Three representatives of the Supreme Court Bar Association to be nominated by the President of the Supreme Court Legal Aid Committee, one of them being an Advocate-on-record".

ORDER

ORDERED that a copy of this amendment to the Resolution be communicated to all Ministries and Departments of the Government of India, State Governments and Union Territory Administrations etc.

ORDERED also that the amendment to the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. S. SEKHON, Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 10th May 1985

RESOLUTION

F. No. 443/2/85-Cus.IV.—The Ministry of Finance (Department of Revenue) Resolution F. No. 443/5/82-Cus.IV dated the 23rd July, 1984 is hereby amended as under :—

For the existing entry (ii) (a), the following shall be substituted :—

(ii) (a) Shri S. B. Sidhu—Lok Sabha.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Ministry of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General,

Central Revenues, Controller General of Accounts, All Ministries and Departments of the Government of India, Press Information Bureau, Chief Controller of Accounts, Central Board of Excise and Customs, All Collectors of Customs and Central Excise and all Members of the Customs and Central Excise Advisory Council.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

BHARAT B. JULKA, Addl. Secy.

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

(BUDGET DIVISION)

New Delhi, the 18th April 1985

CORRIGENDA

No. F.1(27)-B(AC) 84.—For the words "28th February, 1984" appearing in the English Notification published in the Gazette of India Extraordinary (Part I Section I) vide issue No. 181 dated 10th December, 1984, the words "28th February 1985" may be substituted.

A. K. PATNAIK, Under Secy.

**MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS & PUBLIC GRIEVANCES
AND PENSION**

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING)

RULES

New Delhi, the 18th May 1985

No. F. 4/28/84-CS. I.—The rules for a combined Grade I (Under Secretary) Limited Departmental Competitive Examination for Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates to be held in the Union Public Service Commission in 1985 for additions in the Select Lists for Grade-I of the Services mentioned below are, with the concurrence, of the Ministries concerned published for general information.

CATEGORY-I

Grade-I of the Central Secretariat Service.

CATEGORY-II

Grade-I of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch 'B'.

CATEGORY-III

Grade-I of the Railway Board Secretariat Service.

1. The number of persons to be selected for inclusion in the Select List for each grade will be specified in the Notice issued by the Commission.

2. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

3. Permanent Officers or any Officer whose name has been included in the Select List of the grade and services mentioned in Column below who belongs to Scheduled Castes/Scheduled Tribes and who on 31st December, 1984 satisfy the conditions regarding length of service mentioned in Column 2 be eligible to appear at the examination for the category of service mentioned in Column 3.

Column 1	Column 2	Column 3
Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service and/or Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service.	Not less than 4 years approved and continuous service in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service or in Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service or in both as the case may be.	Category I

1	2	3
Integrated Grades II and III of the General Cadre and/or Selection Grade of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service 'B'.	Not less than 4 years • Category II approved and continuous service in integrated Grades II and III of the General Cadre or in Selection Grade of the Stenographers' Cadre of the Indian Foreign Service 'B' or in both as the case may be.	
Section Officers' Grade of Railway Board Secretariat Service and/or Grade 'A' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service.	Not less than 4 years approved and continuous service in the Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service or in Grade 'A' of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service or in both as the case may be.	Category III

NOTE (1) :—In the case of Grade 'A' Officers of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service and Selection Grade of the Stenographers' Cadre of Indian Foreign Service, Branch (B), the approved service shall include half of the approved service rendered in Grade 'B'/Grade-I of that service.

NOTE (2) :—Any period of absence on Military duties may be allowed to be counted towards the prescribed length of service in any of the above posts.

NOTE (3) :—(i) Section Officers of the Central Secretariat Service/Railway Board Secretariat Service and Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service/Railway Board Secretariat Stenographers' Service, and (ii) Officers of the Integrated Grade-II and III of the General Cadre and Selection Grade of Cadre of Indian Foreign Service Branch (B), who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted at the examination if otherwise eligible.

Provided that it shall not apply to an Officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another's service on transfer and does not have a lien in the respective Grade mentioned at (i) and (ii).

4. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

5. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) Impersonating; or
- (iii) Procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with; or
- (v) Making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) Resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) Using unfair means during the examination; or

- (viii) Writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s); or
- (ix) Misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) Harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) Violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificate permitting them to take the examination; or
- (xii) Attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the act specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period :—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) to disciplinary action under the appropriate rules. Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

7. The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit in a single list for candidates belonging to both the Scheduled castes and Scheduled Tribes and in that order as many candidates as are found by the Commission to be qualified, shall be recommended for inclusion in the Select Lists, upto the required number.

NOTE :—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be included in each Select List on the result of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for inclusion in the Select List on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

8. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission, in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

9. Success in the examination confers no right to select on unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his conduct in service, is eligible and suitable in all respects for selection.

Provided that the decision as to ineligibility for selection in the case of any candidate recommended for Selection by the Commission shall be taken in consultation with the Commission.

10. Candidates who after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the service or severs his connection with it or whose services are terminated by his Department or who is appointed to an ex-cadre post or to another Service on 'transfer' and does not have a lien in the grades and Services mentioned in Column I of the Rule 3 above will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a person who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

B. D. CHADHA
Under Secretary

APPENDIX

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part-I Written examination consisting of two papers in the following subjects each carrying 200 marks :—

Paper-I : (i) Procedure & Practice in the Government of India Secretariat and Attached Offices.

(For Categories I and II)

(ii). Office Procedure & Practice.

(For Category III)

Paper-II : General Knowledge of the Constitution of India and Machinery of Government, Practice & Procedure in Parliament.

The papers will be of 2½ hours duration each.

Part-II Evaluation of CRS and Interview of such of the candidates as may be decided by the Commission in their discretion—200 marks.

2. Syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

3. Candidates are allowed the option to answer the papers either in English or in Hindi (Devanagari). Question Papers will be set in English and Hindi.

NOTE (1) :—The option will be same for all the questions and not for different questions in the same paper.

NOTE (2) :—Candidates desirous of exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in the relevant Column of the Application Form. Otherwise it would be assumed that they would answer all papers in English. The option once exercised shall be treated as final and no request for alteration in the said column shall be entertained.

NOTE (3) :—Candidates exercising the option to answer the papers in Hindi (Devanagari) may, if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the Parts of the examination. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion will be considered for evaluation of CRS and called for Interview.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction upto 5 per cent of the maximum marks in the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of examination.

9. Candidates should use only International Form of Indian Numerals (e.g. 1, 2, 3, 4, 5, etc.) while answering question papers.

SCHEDULE

Syllabus of the Examination

Where knowledge of the Rules, Orders, Instructions etc. is required, candidates will be expected to be conversant with amendments issued upto the date of notification of this examination.

PROCEDURE & PRACTICE IN GOVERNMENT OF INDIA SECRETARIAT AND ATTACHED OFFICERS :

(For Categories I and II)

This is intended to be an intensive and detailed test in methods and procedure of work in the Government of India Secretariat and Attached Offices. Some guidance on the subject can be obtained from :—

- (i) Manual of Office Procedure current at the time of the Notification.
- (ii) Notes on Office Procedure issued by the Institute of Secretariat Training and Management.
- (iii) "Hand Book of Orders regarding use of Hindi for Official purposes of the Union" issued by the Ministry of Home Affairs.

OFFICE PROCEDURE & PRACTICE :

(For Category III)

This is intended to be an intensive and detailed test in methods and procedure of work in the Ministry of Railways (Railway Board). Some guidance on the subject can be obtained from :—

- (i) Manual of Office Procedure current at the time of the Notification issued by the Ministry of Railways (Railway Board).
- (ii) "Hand Book of Orders regarding use of Hindi for Official purposes of the Union" issued by the Ministry of Home Affairs.

GENERAL KNOWLEDGE OF THE CONSTITUTION OF INDIA MACHINERY OF GOVERNMENT, PRACTICE AND PROCEDURE IN PARLIAMENT.

Note :—Knowledge of the following will be expected (i) the main principles of the Constitution of India, (ii) Rules of Procedure and Conduct of Business in the Lok Sabha and the Rajya Sabha and (iii) the organisation of the machinery of Government of India—designation and allocation of subjects between Ministries, Departments and Attached and Subordinate Offices and their relation intense.

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 20th April 1985

RESOLUTION

No. AC Panel/84/Vol.III.—In continuation of Resolution No AC/Panel/83/647 dated 17th September 83, consequent upon retirement of Shri M. L. Dabral, Member-Secretary, Development Panel on Asbestos Products Industry, Government of India have decided to amend the composition as under :—

Member

Sl. No. 17
Shri M. L. Dabral
Ex-Development Officer (DGTD)
D-879, Laxmibai Nagar,
New Delhi.

Member-Secretary

Sl. No. 18
Shri P. K. Jain,
Development Officer,
DGTD, Udyog, Bhavan,
New Delhi.

The composition from Sl. No. 1 to 16 of Resolution 17-9-83 will remain the same.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL, Dir. (Admn.)

MINISTRY OF AGRICULTURE & R. D.

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN.

New Delhi, the 24th April 1984

RESOLUTION

No. 48-2/85-SHEEP.—It has been decided by the Government of India to constitute a Management Committee for the Central Sheep Breeding Farm, Hissar. The constitution of the Management Committee will be as under :—

Chairman

1. Additional Secretary
Department of Agriculture &
Cooperation.

Member

2. Animal Husbandry Commissioner,
Dept. of Agri. & Cooperation.

Member

3. Joint Secretary and
Financial Adviser,
Department of Agriculture
and Cooperation.

Member

4. Director,
Central Sheep Breeding Farm,
Hissar.

Member-Secretary

5. Joint Commissioner (Sheep)
Department of Agriculture
and Cooperation.

2. The Management Committee shall perform the functions and exercise the powers given below :—

- (a) Consider and approve all policy matters, lay down proprieties necessary to meet the requirements of the scheme;
- (b) review the progress of implementation of the progress of works of the Farm;
- (c) consider and approve changes in the annual programme involving substantial re-allocation of funds in relation to the approved programme subject to restriction on powers of re-appropriation;
- (d) consider and recommend policies regarding all matters relating to personnel management.

3. The Management Committee shall carry out such directives as the Government of India may issue from time to time on any matter pertaining to the scheme.

4. The Management Committee shall exercise all the powers delegated to the Ministries of the Central Government under Rule 13(2) of the Delegation of Financial Powers Rules, 1958 as per the provisions of the said rules. This Delegation will not cover the following powers :—

- (i) creation of posts;
- (ii) write off of losses and
- (iii) re-appropriation of funds exceeding 10% of the original budget provisions.

5. The Management Committee may meet twice a year and even more frequently, if necessary.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all the State Governments/Union Territories, All Ministries/Depts. of Government of India, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, the President's Secretariat, The Planning Commission, the Comptroller and Auditor General of India, the Accountant General, Central Revenues, the Director of Commercial Audit, the Indian Council of Agricultural Research and Director General of Shipping.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. S. SARAO,
Additional Secy.

MINISTRY OF EDUCATION

New Delhi, the 29th April 1985

No. F. 10-3/85-U-5.—In term of Rules 3 and 6 of the Indian Council of Social Science Research Rules, Shri K. P. Geethakrishnan, Additional Secretary to the Government of India to constitute a Management Committee for the Expenditure) is nominated as a Member of the Council *Vice* Smt. Otima Bordia for the residual term, i.e. upto 24th July 1987.

S. K. SENGUPTA,
Under Secy.

